भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 5775

सोमवार, 30 मार्च, 2026/9 चैत्र, 1948 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

ग्रामीण और धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए योजनाएं

5775. श्री भजन लाल जाटव:

श्री मनसुखभाई धनजीभाई वसावा:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पिछले तीन वर्षों तथा चालू वर्ष के दौरान देश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा कार्यान्वित प्रमुख योजनाओं का ब्यौरा क्या है;

(ख) उन राज्यों के नाम क्या हैं जिन्होंने विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए विशेषकर पिछड़े और ग्रामीण क्षेत्रों में पर्यटन स्थलों को विकसित करने हेतु नई पर्यटन नीतियां तैयार की हैं और यदि हां, तो राज्य-वार/संघ राज्यक्षेत्र-वार तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार पर्यटन स्थलों के बुनियादी ढांचे के विकास के लिए राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों को वित्तीय सहायता प्रदान कर रही है;

(घ) क्या ग्रामीण और धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कोई विशेष कार्यक्रम चलाया जा रहा है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ङ): पर्यटन स्थलों और पर्यटन उत्पादों का विकास एवं संवर्धन मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों द्वारा किया जाता है। हालांकि, पर्यटन मंत्रालय 'स्वदेश दर्शन (एसडी)', 'स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0)', 'चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी)' - स्वदेश दर्शन की एक उप-योजना और 'तीर्थस्थल कायाकल्प एवं आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)' नामक अपनी केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं के माध्यम से राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान करके देश भर के पर्यटन स्थलों पर पर्यटन अवसंरचना सुविधाओं के विकास के उनके प्रयासों को संपूरित करता है। यह वित्तीय सहायता राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों द्वारा संबंधित योजना दिशानिर्देशों और समय-समय पर जारी अन्य निर्देशों के अनुरूप विस्तृत परियोजना रिपोर्टों (डीपीआर) की प्रस्तुति, निधियों की उपलब्धता आदि के अध्यधीन दी जाती है।

उपर्युक्त के अतिरिक्त, निम्नलिखित प्रयास भी किए गए हैं:-

(i) पर्यटन मंत्रालय, पर्यटन सृजक बाजारों में भारत को एक पसंदीदा पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित करने और वैश्विक पर्यटन बाजार में भारत की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए ग्रामीण और धार्मिक पर्यटन सहित विभिन्न पर्यटन स्थलों और उत्पादों का समग्र रूप से संवर्धन करता है। इन उद्देश्यों को एकीकृत विपणन एवं प्रचार संबंधी रणनीति और यात्रा व्यापार जगत, राज्य सरकारों तथा विदेश स्थित भारतीय मिशनों के सहयोग से एक सामंजस्यपूर्ण अभियान के माध्यम से पूरा किया जाता है। इन प्रचार संबंधी गतिविधियों में यात्रा मेलों और प्रदर्शनियों में भागीदारी; रोड शो, इंडिया इवनिंग, सेमिनार और कार्यशालाओं का आयोजन करना; भारतीय खाद्य और सांस्कृतिक उत्सवों का आयोजन करना और उनमें सहायता देना; टूर ऑपरेटरों को ब्रोशर सहायता प्रदान करना, वैश्विक मीडिया अभियान और एयरलाइनों, टूर ऑपरेटरों और अन्य संगठनों आदि के साथ संयुक्त विज्ञापन/संयुक्त प्रचार करना शामिल है।

(ii) पर्यटन मंत्रालय ने भारत में ग्रामीण पर्यटन के विकास के लिए राष्ट्रीय रणनीति और रोडमैप - आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक पहल तैयार की है। उक्त रणनीति दस्तावेज निम्नलिखित प्रमुख स्तंभों पर केंद्रित है:

(क) ग्रामीण पर्यटन के लिए आदर्श नीतियां और सर्वोत्तम प्रथाएं
(ख) ग्रामीण पर्यटन के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकियां और प्लेटफॉर्म
(ग) ग्रामीण पर्यटन के लिए क्लस्टर विकसित करना
(घ) ग्रामीण पर्यटन के लिए विपणन सहायता
(ङ) हितधारकों की क्षमता निर्माण
(च) शासन और संस्थागत ढांचा

राष्ट्रीय रणनीति और रोडमैप को राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों के साथ साझा किया गया है।

*****